राम की आध्यत्मिक अनुभूति; चित्रो में प्रतिबिम्बित

दृश्य कला विभाग एवं केंद्रीय सांस्कृतिक समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'कला में राम' विषय पर कार्यशाला, फेस पेंटिंग, रंगोली, कला प्रदर्शनी व लघु-फिल्म का प्रदर्शन किया गया। दृश्य कला विभाग के विद्यार्थीयो ने रंगोली व पेंटिंग में राम के लोक रक्षक, लोक समंवयक, लोक सेवक, राष्ट्र नायक रूप को रंगों के द्वारा जब कैनवास पर उतारा तो पूरा वातावरण राममय हो गया।

युवा कलाकारों की कृतियों में असीम आध्यात्मिक संभावनाएं छुपी हुई हैं जिसे इस प्रदर्शनी में देखा जा सकता है तमाम आकृतियों और उसमें नीहित बिम्ब यह प्रदर्शित करते हैं कि छात्रों ने ना केवल अपनी कला में रुचि प्रदर्शित की है बल्कि वह मर्यादा पुर्षोत्तम राम व उनके आदर्शों को स्वयं के जीवन में उतारते प्रतीत हो रहे हैं, प्रभु श्री राम की आध्यत्मिक अनुभूति को भी अपने चित्रों में कुशलता से व्यक्त कर रहे हैं, प्रदर्शनी के शुभारम्भ के अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. एन.के. शुक्ल ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं बल्कि सांस्कृतिक विरासत को भी ताकत देते हैं तथा जब सम्पूर्ण भारतवर्ष में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मनाया जा रहा है,तब दृश्य कला विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के परिवार ने भी इस प्रदर्शनी के माध्यम से 'कला में राम' को बहुत ही सुंदर तथा कलात्मक रूप में दर्शाया है

दृश्य कला विभाग तथा कैमलीन लि. कम्पनी के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 18.01.2024 तथा 19.01.2024 दो दिवसीय सेमिनार तथा चित्रकला कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमें कैमलीन लि. कम्पनी के रीजनल प्रमोशनल मैनेजर श्री कमल सेठ द्वारा रंगों के वैज्ञानिक पक्ष पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। सम्पूर्ण आयोजन में लगभग 120 छात्रों तथा विभाग के शिक्षको की महती भूमिका रही।

विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष प्रो.अजय कुमार जैतली तथा सदस्यगण डॉ. अमृता, डॉ. विशाल जैन, डॉ. मोना अग्निहोत्री, श्री राजमणि मोर्या, डॉ. अमितेश कुमार, डॉ. विशाल विजय, डॉ. अमित सिंह एवं दृश्य कला विभाग के प्राध्यापक डॉ. संदीप कुमार मेघवाल, श्री सौमिक नंदी, डॉ. सचिन सैनी, डॉ. अदिति पटेल तथा अन्य विभागों से आए सैकड़ों विद्यार्थी एवं अन्य प्रोफेसर भी इस कला प्रदर्शनी एवं कार्यशाला के साक्षी बने।